



**ग्राम पंचायत में तैनात पंचायत सहायकों को तालाब के खाते में बनाए गए आवासों  
दिया जाएगा कंप्यूटर चलाने का प्रशिक्षण को खाली करने के लिए वेदरखली नोटिस**

मिल्कीपुर-अयोध्या । ई-डिस्ट्रिक्ट परियोजना के तहत मिल्कीपुर तहसील के अंतर्गत आने वाली अमानीगंज 73, हैरिंगटनगंज 60 व मिल्कीपुर 75 विकासखंड की कुल 208 ग्राम पंचायतों में तैनात पंचायत सहायकों को कंप्यूटर चलाने का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके अलावा खराब कंप्यूटर एवं अन्य उपकरण को मरम्मत कराने, पुराने के स्थान पर नए कंप्यूटर खरीद करने के लिए कवायद विभाग द्वारा शुरू कर दी गई है। इसके लिए मुख्य विकास अधिकारी अयोध्या अनीता यादव ने निर्देश दिया है कि पंचायत सहायकों की ट्रेनिंग कराई जाएगी, ताकि वे ग्राम सचिवालय में स्थापित कंप्यूटर के माध्यम से स्थानीय लोगों को सेवाएं प्रदान कर सकें। ट्रेनिंग कराने की धनराशि जिला समिति से दी जाएगी। उन्होंने ब्लॉक स्तर पर प्रशिक्षण देने वाली संस्थाओं का चयन करने का निर्देश भी दिया है। जिला स्तर पर जूम एवं गूगल मीट के माध्यम से होने वाली वीडियो कांफ्रैंसिंग के लिए

आवश्यक उपकरण, कंप्यूटर, लैपटॉप आदि तैयार रखे जाने के लिए भी कहा गया है। ब्लॉक मुख्यालय में एक छोटा कक्ष वीडियो कांफ्रेंसिंग के लिए भी तैयार किए जाने का निर्देश दिया है, ताकि इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा, विकास एवं बाल विकास, राजस्व विभाग के ब्लॉक स्तरीय अधिकारी मीटिंग के लिए जुड़ सकें प्रशिक्षण ब्लॉक स्तर पर प्रदान किया जाएगा। मिल्कीपुर विकासखंड क्षेत्र में जिन ग्राम पंचायतों में पंचायत भवन नहीं है, यदि जर्जर है तो ऐसे में अन्यत्र जगह पर पंचायत सहायक व ग्राम प्रधान बैठक कर्त्ता कार्य को कर रहे हैं। इस संबंध में जब मुख्य विकास अधिकारी अनीता यादव से जानकारी चाही गई तो उन्होंने बताया कि जो पंचायत भवन जर्जर हो गए हैं उनके १५ वस्तीकरण की प्रक्रिया चल रही है। ध्वस्तीकरण होने के बाद नया भवन बनवाया जाएगा फिलहाल जिस स्थान पर पंचायत सहायक ग्राम पंचायत के कामों को निपटा रहे हैं, अभी वहीं पर कार्य करेंगे

मिल्कीपुर—अयोध्या । तहसील बारपांडी 46 जिल्हा हासन सरकारी तुम्हारा मर्ग स्थिर पर्याप्त नहीं। तहसीलदार की ओर से बेदखली नोटिस जारी की गई है, तथा अवैध कब्जे दारों के घरों पर बेदखली नोटिस चस्पा कर दिया गया है। तहसीलदार हेमंत गुप्ता ने

याया कि बकचुना गांव में 10 रेवारों द्वारा खाता संख्या 1217व  
3 जो तालाब के खाते में दर्ज हैं,  
स पर गांव के ही रामदास,  
रेराम रामदीन, सालिकराम,  
हबदीन, भगवान दीन, सोनू कुमार,  
नसीराम, कांशीराम, रामयश ने  
गन बना लिया है। लेखपाल  
याराम ने बताया कि उपरोक्त  
रेवारों के मकान पर नोटिस चर्पा

कर दी गई है और उनसे कहा गया है कि यदि एक सप्ताह में मकान ना खाली किया गया तो इस पर वस्तीकरण की कार्यवाही तहसील प्रशासन द्वारा की जाएगी प्राप्त जानकारी के अनुसार बकचुना गांव के निवासी उमेश तिवारी ने उक्त मामले में उच्च न्यायालय की लखनऊ बैंच में 31325ध2021 रिट याचिका भी दायर की थी ने यह नोटिस जारी किया मिल्कीपुर के तहसीलदार गुप्ता ने इस बात की पुष्टि की हुए कहा कि यदि निर्धारित ८ में तालाब के खाते में दर्ज जानकारी नहीं किया जाता है तो धर्सती की कार्यवाही की जाएगी। गांव में नोटिस चर्पा किए के बाद प्रशासन की कार्य

# तेज रप्तार डंपर ने मारी बाइक सवार को टक्कर

मिल्कापुर-अयाद्या। पाएनसा कंपनी के डंफर ने खंडासा मोड़ के पास बाइक सवार पति—पत्नी व साली को पीछे से मारा टक्कर, पत्नी और साली की अस्पताल के कर्मचारियों ने आनन—फानन में सौ शौ या अस्पताल पहुंचाया, हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने प्रथम उपचार करने के बाद मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। मिल्कापुर तहसील अंतर्गत थाना कुमारगंज क्षेत्र के कस्बा खंडासा मोड़ के पास खंडासा थाना क्षेत्र के बकचुना 25 वर्ष अपनी पत्नी रेखा 25 वर्ष व 3 वर्ष की बेटी आंचल तथा अपनी साली प्रतिमा पुत्री गयादीन 15 वर्ष थाना कुमारगंज क्षेत्र के शिवानाथपुर से अपने घर बकचुना अपनी मोटरसाइकिल यूपी 42 के 3046 से जा रहे थे जैसे ही खंडासा मोड़ के निकट पहुंचे थे कि पीछे से आ रही तेज रफ्तार पी एन सी कंपनी के डंफर यूपी 83 बी टी 8528 ने इतना जोरदार टक्कर मारा की बाइक चला रहे सतीश रोड के बाई और गिर

गए तथा उनका पत्ना रखा व  
साली प्रतिमा डंपर के चक्के के  
नीचे आ गई जिससे रेखा के  
बाएँ और सिर पर डंफर का  
चक्का चढ़ते हुए प्रतिमा के  
दाहिने हाथ व पैर पर चढ़ गया  
डंपर चालक भागने का प्रयास  
किया, बाजार वासियों की भीड़  
बढ़ता देख डंफर छोड़कर ही  
भाग निकला। बाजार के लोग  
घटना का वीडियो और फोटो ही  
बना रहे थे।

किसी काम से कस्बा  
कुमारगंज गए सौ शैद्या

डा विकास यादव, डा सतीष  
सिंह, डॉ दुर्ग विजय इमरजेंसी  
वार्ड में पहुंचकर घायलों का  
उपचार करना प्रारंभ कर दिया।  
लेकिन हालत गंभीर देखते हुए  
रेखा पत्नी सतीश कुमार प्रतिमा  
पुत्री गयादीन को ट्रामा सेंटर  
लखनऊ रेफर कर दिया। डॉ  
अनमोल पाठक ने बताया कि  
सतीश कुमार पुत्र नवमी व ३  
वर्ष की बटी आंचल ठीक है  
किसी प्रकार की कोई गंभीर चोट  
नहीं आई है। फिलहाल इनका  
भी उपचार किया गया। घटना

जानकारा मिलन के बाद  
ना कुमारगंज के उपनिरीक्षक  
सेश कुमार वर्मा उप निरीक्षक  
भैषण सिंह, कांस्टेबल अजय  
नंद, मनदीप मौके पर पहुंचकर  
ना करने वाले डंपर को अपने  
ज्ञे में ले लिया है। खबर  
खे जाने तक किसी प्रकार  
तहरीर पुलिस को अभी  
यलों के परिजनों की ओर से  
दी गई है, फिलहाल पुलिस  
पर चालक की तलाश करने  
जुट गई है।

## कराया लार्वा निरोधक का छिकाव

अयोध्या। शहरी क्षेत्र में डेंगू पोसिटिव केस के विरुद्ध लगातार  
निरोधात्मक कार्यवाही कर रही फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी  
अयोध्या की टीम ने आज संवेदनशील क्षेत्रों में लार्वा निरोधक  
कार्यवाही किया। फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी डी के श्रीवास्तव  
ने लोगों से अपील किया कि वे घर के बर्तनों, कूलर, पानी की  
टंकी, किंज की पीछे की द्वे, घरों के आसपास पड़े टायर, टूटे लोहे  
व प्लास्टिक के पात्रों में पानी ना इकट्ठा होने दें क्योंकि मच्छर इन्हीं  
में पनपते हैं। सप्ताह में एक बार पानी वाले बर्तनों को साफ  
अवश्य करें। डेंगू का मच्छर दिन में काटता है इसलिए मच्छर  
के काटने से बचने के लिए जरूरी है कि हम पूरी बांह के कपड़े  
पहने और मच्छरदानी एवं अन्य उपायों का प्रयोग करें। बुखार,  
कमजोरी जैसी शरीर में कोई भी समस्या आने पर घबराएं नहीं और  
किसी चिकित्सक से परामर्श ले उपचार कराएं। आज दाल  
मंडी, हैंदरगंज, मेवाती पुरा, सरस्वती पुरम, साहबगंज, शक्तिनगर आदि  
क्षेत्रों में फाइलेरिया नियंत्रण अधिकारी अयोध्या की टीम ने लार्वा  
निरोधक कार्यवाही की। कार्यवाही में एपिडेमियोलॉजिस्ट डॉ  
अरविन्द श्रीवास्तव, फाइलेरिया निरीक्षक एस.पी. मौर्य, दीपक  
तिवारी, कीट संग्रहकर्ता विजय बहादुर, वरिष्ठ क्षेत्रीय कार्यकर्ता  
राम आशीष सहित क्षेत्रीय कार्यकर्तागण शामिल रहे।

# हिंदुस्तान में दो भारत पैदा करने का प्रयास कर रही कर रही भाजपा : वीरेन्द्र चौधरी

कांग्रेस पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष विधायक वीरेंद्र चौधरी का किया गया स्वागत अयोध्या। कांग्रेस पार्टी के नेता राहुल गांधी द्वारा निकाली जा रही भारत जोड़े यात्रा आजाद भारत के इतिहास में सबसे बड़ी पदयात्रा है। इस यात्रा का मक्सद हिंदुस्तान में दो भारत पैदा करने का प्रयास कर रही कर रही भारतीय जनता पार्टी के मंसूबे को नाकाम कर लोगों के हृदय में सहिष्णुता और प्यार भरना है। उक्त उद्गार कांग्रेस पार्टी के प्रांतीय अध्यक्ष तथा विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कांग्रेस कार्यालय कमला नेहरू भवन

फैजाबाद सीमा पर पार्टी के जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। विधायक वीरेंद्र चौधरी ने कहा भाजपा देश में नफरत की खेती कर रही तथा विपक्ष की आवाज को दबाने का कार्य कर रही। भाजपा के शासन में नमक से लेकर सभी घरेलू सामानों के दामों में भयानक वृद्धि कर दी गई है, बेरोजगारी अपने चरम पर है। श्री चौधरी ने कहा कांग्रेस को आगामी नगर निकाय के चुनाव के लिए जमीनी स्तर पर

तथा राजेंद्र प्रताप सिंह ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वह आपसी मनमुटाव भूलकर कांग्रेस को मजबूत करने के लिए प्रयास करें। महानगर अध्यक्ष वेद सिंह कमल तथा जिला प्रवक्ता सुनील कृष्ण गौतम ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा पूर्व में फैजाबाद तथा अयोध्या में कांग्रेस के चेयरमैन जीत चुके हैं अबकी बार भी हम लोग पूरी ताकत लगाकर पार्टी प्रत्याशी जीत सुनिश्चित करने का प्रयास करेंगे।

दुबे केसरी कुमार मिश्रा महिला जिला अध्यक्ष रेनू राय, ओमप्रकाश सिंह, कर्म राज यादव, इंद्रसेन यादव, अशोक यादव, रामनारायण यादव, दिनेश चौधरी, आजाद रावत, सुनील पांडे, राजकुमार सिंह, आशुतोष सिंह, दिनेश शुक्ला, युवक कांग्रेस के अध्यक्ष संजय तिवारी, दयाशंकर तिवारी, उषा कोरी महानगर अध्यक्ष महिला कांग्रेस सचिवा यादव, दयावती, रामनन्दरेश मौर्य, श्रीनिवास पोद्दार, रामनाथ यादव, भरत यादव, रामनाथ बर्मा,

पर जिला अध्यक्ष अखिलश यादव की अध्यक्षता तथा जिला उपाध्यक्ष अनिल सिंह के संचालन में आयोजित बैठक को संबोधित करते हुए कही। इससे पूर्व फैजाबाद प्रथम आगमन पर पहुंचे प्रांतीय अध्यक्ष का गोसाईगंज में ईश्वरदास जयसवाल तथा मनोज जायसवाल के नेतृत्व में तथा तेयारिया करनी चाहए। अध्यक्षता कर रहे जिला अध्यक्ष अखिले श यादव ने कहा फैजाबाद में नगर निगम चुनाव के लिए प्रभारी नियुक्त कर दिए गए हैं आरक्षण आने के उपरांत हम मजबूत प्रत्याशियों के साथ चुनाव मैदान में उतरेंगे। एआईसीसी सदस्य अशोक सिंह बैठक में प्रमुख रूप से एआईसीसी सदस्य उग्रसेन मिश्रा प्रदेश सचिव रीता मौर्या, प्रवीण श्रीवास्तव, सुरेंद्र सिंह सैनिक, उमे श उपाध्याय, शिवपूजन पांडे, भगवान बहादुर शुक्ला, सुधीर प्रदीप, प्रशांत पांडे, भीम शुक्ला, शैलेश शुक्ला, रामेंद्र त्रिपाठी, शैलेंद्र मणि पांडे धर्मवीर

केरला नवा रामारा  
केरला केसरी कुमार मिश्रा महिला  
गला अध्यक्ष रेनू राय ,  
मप्रकाश सिंह, कर्म राज यादव,  
देसन यादव, अशोक यादव,  
ननारायण यादव, दिनेश चौध  
आजाद रावत, सुनील पांडे  
जकुमार सिंह, आशुतोष सिंह,  
नेश शुक्ला, युवक कांग्रेस के  
यक्ष संजय तिवारी , दयाशंकर  
वारी, उषा कोरी महानगर अध  
महिला कांग्रेस सविता यादव  
यावती ,रामनरेश मौर्य,  
निवास पोद्धार, रामनाथ यादव  
रत यादव, रामनाथ बर्मा,  
जीति शर्मा, परमानंद शुक्ला,  
ककू राम कोरी ,रामकरण  
मी दारेश सरवत अद्विती

रा, बृजरा रापरा, झंडुल  
नीम, फलावर नकवी, चंचल  
नकर, विजय पांडे, अनिल  
वारी, शैलेंद्र पांडे, शिवपूजन  
डे, रविंदर कोरी, रोहित यादव,  
ला यादव, उमर मुस्तफा  
बाल अंसारी मौजूद जडे।

## **6 साल की मासूम से दरिदरी, आरोपित गिरफ्तार**

कानपुर । शहर में 6 साल की मासूम से दरिंदगी की गई । आरोपी युवक बच्ची को टॉफी दिलाने के बहाने पहले खेत में ले गया । फिर वहां उसने बच्ची से रेप किया । इतना ही नहीं, चिल्लाने पर उसने दांत से बच्ची के चेहरे पर काट लिया । घटना के बाद किसी तरह घर पहुंची बच्ची ने परिजनों को इस बारे में बताया । इसके बाद घटना जिले के बिल्हौर इलाके की है । पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है । बच्ची को गंभीर हालत में हैल्ट अस्पताल रेफर किया गया है । थाना प्रभारी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पीड़ित की मां की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है । बच्ची की मां ने बताया मेरे पति की 2 साल पहले मौत हो चुकी है ।

अन्य सदस्यों के साथ रहती हूँ। गांव में मेरे 2 मकान हैं। देर शाम को मेरी 6 साल की बेटी दूसरे घर पर बाबा से मिलने गई थी। इसके बाद वह वहां से अकेले ही लौट रही थी। रास्ते में उसे गांव का ही विजय बहादुर मिल गया। उसने बच्ची को रोक लिया। फिर उससे इधर-उधर की बात करने लगा। इसके बाद उसने बच्ची को

विजयन्दु चतुर्वदा न बताया कि आवासाय शक्किं एसासेशन के चुनाव को लेकर चुनाव अधिकारी द्वारा तारीखों की घोषणा की जा चुकी है। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री, संयुक्त मंत्री, उपमंत्री व कोषाध्यक्ष पदों पर प्रत्याशियों द्वारा 15 नवम्बर तक नामांकन किया जायेगा। इनके द्वारा नाम वापसी 16 नम्बर को होगी। मतदान, मतगणना व परिणाम 25 नवम्बर को घोषित किया जायेगा।

# डेंगू का कहर जारी, 43 नए रोगियों में हई पृष्ठि

कानपुर। कानपुर में 43 नए रोगियों में डेंगू की पुष्टि हुई है। शहर में डेंगू के 143 सक्रिय मरीज हैं। हर दिन नए क्षेत्र के रोगी डेंगू पॉजिटिव मिल रहे हैं। एसीएमओ संचारी रोगी डॉ. आरएन सिंह का कहना है कि सैंपलों का पॉजिटिविटी रेट बढ़ गया है। संक्रमण के फैलाव के साथ इसका भार में खून में बढ़ता जा रहा है, जिसकी वजह से प्लेटलेट्स काउंट कम हो रहा है। ज्यादातर रोगी निजी अस्पतालों में भर्ती हैं। इनका नीचे है। कुछ रोगियों को सांस्कृतिक की दिक्कत होने पर ऑक्सीजन का सपोर्ट दिया जा रहा है। हर दिन नए क्षेत्र के रोगी डेंगू पॉजिटिव मिल रहे हैं। एसीएमओ संचारी रोगी का कहना है कि सैंपलों का पॉजिटिविटी रेट बढ़ गया है। बुधवार को सैंपलों की जांच में पॉजिटिविटी रेट 21.47 रहा है। यह रेट बढ़कर 24.07 हो गया। जबकि 20.09 प्रतिशत रहा। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के माइक्रोबायोलॉजी ने 15 रोगियों की जबकि युएचएम

रिपोर्ट दी है। उन्होंने बताया कि टीमें संक्रमण वाले क्षेत्रों में जाकर लार्वा साइडल का छिड़काव कर रही हैं।

डेंगू संक्रमित मिले कुल नए रोगियों में 27 संक्रमित नगर के हैं और 16 दूसरे जिलों के हैं। नए क्षेत्रों में डेंगू संक्रमित बढ़ते जा रहे हैं। इसके अलावा औरैया, उन्नाव, फरखाबाद, औरैया, कानपुर देहात, फतेहपुर आदि जिलों के रोगी हैलट, उर्सला और निजी अस्पतालों में इलाज करा रहे हैं।



# सम्पादकीय

भाजपा के लिए तो यह बड़ा सिरदर्द है, क्योंकि यह उसका मूलभूत चुनावी मुद्दा रहा है। भाजपा सरकार ने 2016 में विधि आयोग से भी इस मुद्दे पर राय मांगी थी। लेकिन उसकी राय भी यही है कि बिल्कुल एक-जैसा कानून सब पर नहीं थोपा जा सकता है लेकिन कई निजी कानूनों में काफी सुधार किया जा सकता है ...

# बार—बार की नाकामी

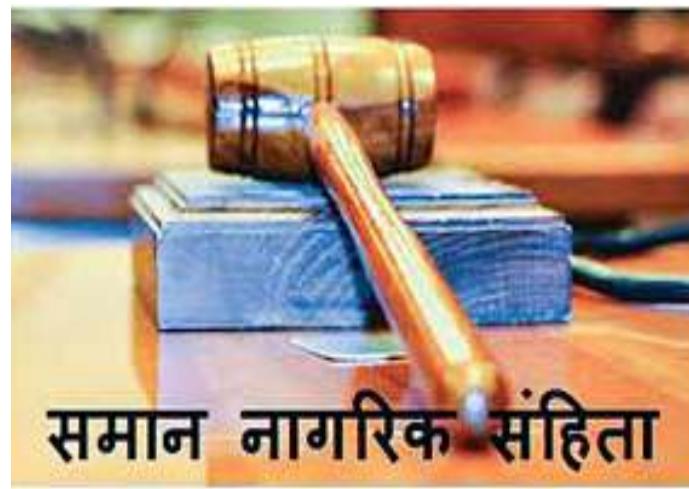
भारत सरकार ने तीन महीने पहले सिंगल यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, लेकिन इसके इस्तेमाल में बीते तीन महीनों में कोई फर्क नहीं पड़ा है। ऐसा लगता है कि सिंगल यूज प्लास्टिक (एसयूपी) के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश फिर नाकाम रही है। दरअसल, इस बात को जानने के लिए हमें किसी अध्ययन की जरूरत भी नहीं है। बाजारों में जाकर कोई भी खुद देख सकता है कि एसयूपी के इस्तेमाल में बीते तीन महीनों में कोई फर्क नहीं पड़ा है। भारत सरकार ने तीन महीने पहले एसयूपी के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया गया था, ताकि प्लास्टिक कचरे और बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लग सके। ये प्रतिबंध एसयूपी से बनी 21 चीजों पर लगाए गए थे जिनमें प्लेट्स, बर्टन, स्ट्रॉ, पैकेजिंग फिल्म और सिगरेट के पैकेट शामिल हैं। प्रतिबंध केंद्र सरकार की ओर से लागू किए गए, लेकिन इन्हें लागू कराने की जिम्मेदारी राज्य सरकारों और उनके प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड्स पर डाली गई है। स्पष्ट है कि राज्य समुचित कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। पावंडी को पूरी तरह से लागू कराने के लिए संभवतरु राज्यों के पास कोई प्रभावी रणनीति ही नहीं है। भारत में हर साल करीब एक करोड़ 40 लाख टन प्लास्टिक का इस्तेमाल होता है। पिछले साल एक सरकारी समिति ने एसयूपी से बनी चीजों को उनकी उपयोगिता और उनके पर्यावरणीय प्रभाव के सूचकांक के आधार पर चिह्नित किया, जिन्हें प्रतिबंधित किया जाना था। इस तरह के प्लास्टिक भारत में निकलने वाले कुल प्लास्टिक कचरे का महज 2-3 फीसद ही है। विशेषज्ञों ने तभी चेतावनी दी थी कि यह प्रतिबंध लागू करना कोई आसान काम नहीं है। दरअसल, इन प्रतिबंधित वस्तुओं की मांग को पूरा करने के लिए सस्ते विकल्पों की जरूरत है, जिन्हें उपलब्ध कराने का कोई इंतजाम नहीं किया गया है। इसके लिए पर्याप्त मात्रा में निवेश भी नहीं हुआ है। भारत में प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत 11 किलो ग्राम प्रति वर्ष है और यह दुनिया में अभी भी सबसे सबसे कम है। दुनिया भर में प्रति वर्ष प्रति व्यक्ति प्लास्टिक की खपत 28 किलो है। खुदरा कारोबारी एसयूपी का सबसे ज्यादा इस्तेमाल करते हैं। ऐसा वो इसलिए करते हैं कि ग्राहक इसकी मांग करते हैं। अगर कारोबारी अपने पास एसयूपी के बैग ना करें, तो उसका असर उनकी बिक्री पर पड़ता है। इसलिए पिछले मौकों की तरह इस बार भी ये रोक नाकाम साबित हो रही है।

पहले 1971-81 के बीच बड़ी तादाद में जाटों के सिरव  
बनने के बाद उनके गुरुद्वारा आने पर सिरवों का  
उनके साथ टकराव हुआ। खालिस्तान मुद्दा जोर  
पकड़ने पर कट्टरपंथी सिरवों का गुरुद्वारों पर कब्जा  
बढ़ने लगा तो वहाँ के कई स्थान स्थानों पर उदारवादी  
सिरवों ने उनका जमकर विरोध किया।  
जब एक दलित गुरुद्वारा बनाया गया तो संत रविदास  
के नाम पर बनाए गए इस गुरुद्वारे के ...

विवेक सक्सेना  
अंग्रेज मुंह से भले ही कुछ न कहते हों  
उगर जिस संपत्ति के बे लोग मालिक हुआ  
जरते थे आज उनके विशाल घरों व फार्म  
उस को सिख ही खरीद रहे हैं। वहां  
वालिस्तान का मुद्दा जोर पकड़ने पर सिखों  
ने बीच टकराव बढ़ने लगा है। पहले  
1971-81 के बीच बड़ी तादाद में जाटों के  
सिख बनने के बाद उनके गुरुद्वारा आने  
पर सिखों का उनके साथ टकराव हुआ।  
वालिस्तान मुद्दा जोर पकड़ने पर कट्टरपंथी  
सिखों का गुरुद्वारों पर कब्जा बढ़ने लगा  
जो वहां के कई स्थान स्थानों पर उदारवादी  
सिखों ने उनका जमकर विरोध किया।  
पार्टी का अहम स्थान है। इसके गुरुद्वारों में  
चढ़ाए गए पैसों की बहुत अहमियत रहती  
है। गुरुद्वारे वाले वहां के सामाजिक कार्यक्रम  
जैसे खाना आदि बांटने में बहुत अहम  
भूमिका अदा करते हैं जगमीत सिंह को  
बचपन में ही उसके मां-बाप ने बता दिया  
था कि इस देश में उनकी भाषा की इज्जत  
नहीं की जाती। वे लोग क्यूबेक में रहते थे  
जहां फ्रेंच बोली जाती थी। जगमीत सिंह  
को पंजाबी व अंग्रेजी बोलना ही आती थी।  
बचपन में उनका स्कूल में बहुत मखौल  
उड़ाते थे। उसने 13 साल की आयु में फ्रेंच  
सीखना शुरू की। उसका बचपन बहुत  
संघर्ष में बीता। बड़ा दोनों पर वह आपने

कनाडा में सिखों की अभियान इतनी ज्यादा है कि वहाँ के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सरकार सिख नेतृत्व वाली राष्ट्रीय न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के सहयोग से चल रही है। कुछ साल पहले जगमीत सिंह को इसका अध्यक्ष चुना गया था। पेशे से वकील जगमीत सिंह पर आतंकवादियों के मुकदमे लड़ने के आरोप लगते रहे हैं। वहाँ की संसद में 1.4 फीसदी हिस्सा होने के बावजूद वहाँ की राजनीति में सिखों की एनडीपी संघ में बाता। बड़ा हान पर वह अपने परिवार की मदद के लिए छोटे-मोटे काम करने लगा। उसने कालिज में फीस बढ़ाए जाने का विरोध किया। पहले लोग कहते थे कि न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी एक भी सीट नहीं जीत पाएगी। वह पुलिस की मनमानी का विरोध करने के कारण युवा वर्ग में बहुत लोकप्रिय होता गया। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी का अध्यक्ष बनने के लिए उसने मई 2017 में ही अपना अभियान शुरू कर दिया अक्तूबर में वह पहली बार किसी राष्ट्रीय

# सब के लिए एक-जैसा कानून कैसे ?



समान नागरिक संहिता

भाजपा राज्यों की सरकारें एक के बाद एक घोषणा कर रही हैं कि वे समान आचार संहिता अपने—अपने राज्यों में लागू करने वाली हैं। यह घोषणा उत्तराखण्ड, हिमाचल और गुजरात की सरकारों ने की है। अन्य राज्यों की भाजपा सरकारें भी ऐसी घोषणाएं कर सकती हैं लेकिन वहां अभी चुनाव नहीं हो रहे हैं। जहां—जहां चुनाव होते हैं, वहां—वहां इस तरह की घोषणाएं कर दी जाती हैं। क्यों कर दी जाती हैं? क्योंकि हिंदुओं के थोक वोट कबाड़ने में आसानी हो जाती है और मुसलमान औरतों को भी कहा जाता है कि तुम्हें डेढ हजार साल पुराने अरबी कानूनों से हम मुक्ति दिला देंगे। यह बात सुनने में तो बहुत अच्छी लगती है और इतनी तर्कसंगत भी लगती है कि कोई पार्टी या नेता इसका विरोध नहीं कर पाता। हाँ, कुछ कठूर धर्मधर्वजी लोग इसका विरोध जरूर करते हैं, क्योंकि उनकी मान्यता है कि यह उनके धार्मिक कानून—कायदों का उल्लंघन है। यों भी संविधान सभा में सबके लिए समान कानून की धारणा को व्यापक समर्थन मिला था लेकिन क्या वजह है कि आजादी को आए 75 साल बीत रहे हैं और देश में हर तरह की सरकारें बन चुकी हैं, फिर भी किसी सरकार की आज तक हिम्मत नहीं हुई कि वह देश के सभी नागरिकों के लिए व्यक्तिगत और पारिवारिक मामलों में एक तरह का कानून बना सके? संविधान की धारा 44 में कहा गया है कि राज्य की कोशिश होगी कि सारे देश के नागरिकों के लिए एक—जैसा कानून बने। इसके

**एक संहिता**

बावजूद सबके लिए एक—जैसा कानून इसलिए नहीं बना कि भारत विभिन्न धर्मों, संप्रदायों, जातियों, कबीलों और परंपराओं का देश है। सारे हिंदू, सारे मुसलमान, सारे आदिवासी, सारे ईसाई भी शादी—विवाह और निजी संपत्ति के मामलों में अपनी—अपनी अलग—अलग परंपराओं को मानते हैं। जब एक तबके में ही एका नहीं है तो सब तबकों के लिए एक—जैसा कानून कैसे बन सकता है? जैसे आंध्र के हिंदुओं में मामा—भानजी के बीच शादी हो जाती है और जम्मू—कश्मीर के मुसलमानों पर शरीयत—कानून लागू नहीं होता। गोआ का अपना कानून है। वह सबके लिए एक जैसा है। हर सरकार दुविधा में पड़ी रहती है कि समान आचार संहिता लागू करें या न करें। भाजपा के लिए तो यह बड़ा सिरदर्द है, क्योंकि यह उसका मूलभूत चुनावी मुद्दा रहा है। भाजपा सरकार ने 2016 में विधि आयोग से भी इस मुद्दे पर राय मांगी थी। लेकिन उसकी राय भी यही है कि बिल्कुल एक—जैसा कानून सब पर नहीं थोपा जा सकता है लेकिन कई निजी कानूनों में काफी सुधार किया जा सकता है ताकि लोगों को सम्मानपूर्ण जीवन का अधिकार मिल सके और भारत के लोग अपनी सांप्रदायिक परंपराओं के अत्याचारों से मुक्त हो सकें। भारत सरकार को चाहिए कि देश के विधिवेत्ताओं, धर्मधर्वजियों और विभिन्न परंपराओं के प्रामाणिक प्रतिनिधियों का एक संयुक्त आयोग स्थापित करे और उससे कहे कि वह 2024 के पहले अपनी संपूर्ण रपट राष्ट्र के विचारार्थ प्रस्तुत करे।

# कांग्रेस की दक्षिण भारत पर निगाह

सरकार अगर वाकई चुनावों में पारदर्शिता और ईमानदारी से वित्तप्रबंध करना चाहती है, तो उसे इस विषय के जानकार लोगों और अन्य राजनीतिक दलों से परामर्श कर कोई तर्कसम्मत फैसला लेना चाहिए, जिससे अनावश्यक विवाद खड़े न हों। अभी जिस तरह चुनाव से पहले चुनावी बश्नंड की बिक्री के लिए दिन बढ़ाने का फैसला लिया गया है, वह सीधे नीयत पर सवाल उठाता है। इससे भाजपा पर तो ...

अजय दीक्षित  
80 साल के मल्लिकार्जुन खडगे 137  
साल पुरानी कांग्रेस के 98वें अध्यक्ष तो बन  
ये हैं पर उनकी असली परीक्षा अब होगी  
। इसलिए नहीं कि 24 साल के अन्तराल  
के बाद कोई गैर-गांधी कांग्रेस की कमान  
भाल रहा है, बल्कि इसलिए भी कि देश  
की सबसे पुरानी यह राजनीतिक पार्टी अपने  
बस्ते बुरे दौर से गुजर रही है । लगातार  
लोक सभा चुनाव और दर्जन भर से भी  
विधादा विधानसभा चुनावों में शर्मनाक पराजय  
ने उपजी निराशा और हताशा का अंदाजा  
उसी से लगाया जा सकता है कि जिस गांधी  
परिवार को कांग्रेस का स्वाभाविक नेतृत्व  
नाना जाता रहा, उसी पर जी-23 ने  
विधायदा पत्र लिख कर सवाल उठाये ।  
जी-23 के अग्रणी नेता नवी आजाद ने तो  
हले ही राहुल गांधी पर सीधा हमला बोलते  
हुए जम्मू-कश्मीर में अपनी अलग  
मोकेटिक आजाद पार्टी बना ली पर गांधी  
परिवार ने खडगे को अध्यक्ष चुनबाकर  
परिवारवाद और आन्तरिक लोकतंत्र, दोनों  
बेन्दुओं पर आलोचकों को जवाब देने की  
नोशिश की है । बेशक, खडगे की प्रचंड  
जीत गांधी परिवार के आशीर्वाद का ही  
परिणाम रही पर उनके पक्ष में मतदान  
करने वाले कांग्रेस डेलीगेट्स अपनी जिम्मेदारी  
जवाबदेही से मुंह नहीं चुरा सकते ।  
जननीति की सामान्य समझ रखने वाला भी  
जानता था कि नया अध्यक्ष गांधी परिवार का

विश्वस्त ही होगा । अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री पद के मोह में जैसे रंग बदले उसके बाद तो यह और भी जरूरी था कि कांग्रेस के साथ स्वयं भी साख के संकट रह गुजर रहा गांधी परिवार किसी तरह का जोखिम न उठाए । इसीलिए अन्तिम क्षण में खड़गे पर दांव लगाया गया । परिवार का आशीर्वाद खड़गे को मिला तो उसके मूल में भावी राजनीति की रणनीति भी खोजी जा सकती है । दलित समुदाय ने आने वाले खड़गे पिछला लोक सभा चुनाव में हारने से पहले कर्नाटक के गुलबर्गा राज्य लगातार 10 बार जीत भी चुके हैं । परामर्शदाता के दौर से गुजर रही कांग्रेस में चुनावी जीत का ऐसा रिकॉर्ड रखने वाले नेता ज्यादा नहीं हैं पर खड़गे को चुनने का यही कारण नहीं है । विधानसभा चुनावों व सन्दर्भ में राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और हरियाणा को अपवाद मान लें तो उत्तर भारत से कांग्रेस लगभग लुप्त हो चुकी है । बिहार और झारखण्ड में भी थोड़ी-बहुत बची है तो राजद, जदयू और झामुमो से गठबंधन की बदौलत । नई भूलना चाहिये कि यही उत्तर भारत भाजपा का मुख्य शक्ति केन्द्र भी है । उत्तर भारत के 10 राज्यों और केन्द्रशासित क्षेत्रों राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, झारखण्ड, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, जम्मू और कश्मीर से 180 लोक सभा सांसद चुने जाते हैं । 2019 के लोक

Page 1 of 1

# सिर्व मेहनत के बूते कर्नाटा में हिट

दबाव डालती आयी है। वहां की राजनीति में सिखों का नेशनल डेमोक्रेटिक पार्टी लिबरल पार्टी पर काफी दबाव है। वहां सिख काफी पैसे वाले हैं। उनका वेंकूवर टोरंटो व कैलगरी के गुरुद्वारों पर काफ़ असर है। मौजूदा प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूप को यहां तक पहुंचाने में उनका ही हाथ रहा है। पहले वहां के लोग पंजाब के हिंदू सिखों को एक जैसा ही समझते थे मगर बाद में सिखों ने इस पर आपत्ति जताते हुए खुले को हिंदूओं से अलग बनवा दिया। सिर काफी मेहनती होते हैं। उन्होंने शुरू में खेत में काम करने के साथ रेल लाइन बिछायाले मजदूरों के रूप में काम किया पर बहुत जल्दी ही उन्हें चीनी व जापानी मजदूरों का तुलना में कहीं ज्यादा पसंद किया जायगा। वे मेहनती होने के साथ साथ स्वामीभृती भी होते थे। फौज में काम करने के कारण अंग्रेजों के काफी करीब आ चुके थे। कनाडा में कारों का ज्यादातर कारोबार सिखों व हाथों में ही है। उनके गुरुद्वारों द्वारा जरुर पड़ने पर लोगों के खाने की सहायता करवा व हर साल बड़ी तादाद में रक्तदान शिविर लगाने के कारण वहां की सरकार पर इनका काफी असर है। कनाडा में उन्होंने समाज व हर क्षेत्र में नाम कमाया है। हरजोत ओबेराया संदीप सिंह बराड़, शीना अलंगर वहां के जामाने शिक्षाविद हैं। डॉ रंजन जाने माने रोद्धा विशेषज्ञ हैं। बलजीत सिंह चढ़दा हरबंड सिंह दोमान, जसपाल अटवाल व भाटियर वहां के जाने माने उद्योगपति हैं व व्यापारी



# विशेष सचिव व अपर आयुक्त निबन्धक सहकारिता नवीन गल्ला मंडी का किया औचक निरीक्षण

## निरीक्षण के बाद कलेक्टर सभागर में संबंधित अधिकारियों के साथ की बैठक

सीतापुर । नोडल अधिकारी जांच करायी। केन्द्र प्रभारियों को (लखनऊ मण्डल) विशेष सचिव निर्देश दिये कि विद्युत के स्वीच पंचायत, पंचायत, अपर आयुक्त बोर्ड व्यवस्थित करें, पानी एवं एवं अपर निबन्धक (बैंकिंग) सफ-साफार्ट दुरुस्त रखी जाये, सहकारिता उ०प्र० लखनऊ बी० यह सुनिश्चित किया जाये। मोनू चंद्रकला ने .नवीन गल्ला मण्डी नाम के किसान से पूछा कि सीतापुर का भी निरीक्षण किया। आपने पंजीकरण कब कराया जिसमें किसानों के पंजीकरण था, पल्लेदारी के मूल्य का क्या की जांच की एवं जानकारी ली भुगतान कर रह है। साथ ही कि अभी तक कुल कितनी खरीद बोरों की उपलब्धता की जानकारी हुयी, कितने किसानों का भुगतान करते हुये निर्देश दिये कि क्रय हो चुका है और कितना भुगतान और उठान की प्रक्रिया समय से होना शेष बाकी है, जो भुगतान संबंधित अधिकारी पूर्ण करें। शेष है उसका भी समस्य निरीक्षण के दौरान अपर जिलाइ निस्तरारण कर दिया जाये। केन्द्रों पर आये किसानों से वार्ता की तिवारी, नगर मण्डल उ०प्र० एवं उनकी समस्याओं के बारे में सिंह, डिप्टी आर०एम०ओ० पूछा। मापक यंत्र द्वारा नमी की अरविन्द कुमार दुबे, ए०आर०

कॉर्पोरेट नवीन शुक्ला सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। इसके उपरान्त नोडल अधिकारी (लखनऊ मण्डल) विशेष सचिव अमृता सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिंहोंनी संचावदाता के अनुसार तहसील क्षेत्र के बाड़ी करने में खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा संचालित धान क्रय केंद्र का विशेष सचिव बी-चंद्रकला ने निरीक्षण किया। निरीक्षण में केंद्र प्रभारी वेब मिश्र से उन्होंने धान क्रय केंद्र पर हो रही धान तील के विषय में जानकारी की। उन्होंने निरीक्षण के दौरान केंद्र पर बोरों की उपलब्धता, नमी क्रयों के भुगतान में धनराशि मापक यंत्र की त्रुटी रहित सुनिश्चितता, किसानों को भुगतान करते हुये धनराशि की मांग करें।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी अनुज सिंह, अपर जिलाधिकारी राम भरत तिवारी, नगर मण्डल उ०प्र० लखनऊ श्रीमती बी० चंद्रकला अमृता सिंह सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। सिंहोंनी संचावदाता के अनुसार तहसील क्षेत्र के बाड़ी करने में खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा संचालित धान क्रय केंद्र पर धान विक्रय करने वाले 10 किसानों की 30 लाख अवशेष धनराशि को 1 दिन के अंदर भुगतान करने के निर्देश दिए। केंद्र प्रभारी से उन्होंने कहा कि यदि कोई समस्या आती है तो जिला विभान अधिकारी को तुरत अवगत कराएं। उन्होंने शासन के निर्वशानुसार केंद्र प्रभारी को ६ दिन के अंदर भुगतान करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने कहा कि क्रयों के भुगतान में धनराशि मापक यंत्र की त्रुटी रहित सुनिश्चितता, किसानों को भुगतान करते हुये धनराशि की मांग करें।





# क्या है एक्वा योग? जानिए इस मुश्किल योगासन का तरीका और फायदे



**ब्लैक आउटफिट में गुलाब पकड़कर केट शर्मा दिखीं बेहद ग्लैमरस, तस्वीरें ऐसी कि बढ़ जाएगी सांसों की रफ्तार**

एकट्रेस केट शर्मा आज सोशल मीडिया पर एक जाना माना नाम है। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा देती हैं। वहीं, एकट्रेस ने ब्लैक कलर की ड्रेस में अपनी हॉट तस्वीरें



सोशल मीडिया पर शेयर की हैं, जिन्हें देखकर फैंस अपने दिलों को थामे नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर में केट शर्मा ब्लैक आउटफिट में नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं। एकट्रेस केट शर्मा ने अपनी बोल्डनेस और कातिलाना आदाओं से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा रखी हैं। केट शर्मा अपनी हॉटी और ग्लैमरस तस्वीरें अक्सर अपने सोशल अकाउंट पर शेयर करती रहती हैं। एकट्रेस केट शर्मा ब्लैक कलर की ड्रेस में अपनी क्लीवेज और टॉड लेस्प फॉलोन्ट कर रही हैं। काले रंग की ड्रेस में गोरा बदन देखकर फैंस बेकरार हो रहे हैं। साथ ही एकट्रेस की तस्वीरों को देखकर आहं भर रहे हैं। केट शर्मा किलर पोज देती हुई नजर आ रही हैं। उनकी तस्वीरों को देखकर फैंस उनकी दीवाने बने हुए हैं। एकट्रेस केट शर्मा ने अक्टूबर 2018 में मशहूर फिल्ममेकर सुभाष घई पर मीटू के तहत गंभीर आरोप लगाए थे। केट शर्मा हर आउटफिट में अपना जलवा बिखेर ही देती हैं। उनकी तस्वीरों पर फैंस अपना जमकर प्यार बरसाते हैं। केट शर्मा भले ही फिल्मों में कुछ ज्यादा खास नहीं कर पाई हो लेकिन, इंस्टाग्राम पर एकट्रेस के 2.7 मिलियन फॉलोवर्स हैं।



अगर आप अपने सामान्य वर्कआउट सेशन से ऊब चुके हैं तो एक्वा योग ट्राई करके देखें। एक्वा योग को जल योग भी कहा जाता है। यह पानी के अंदर किया जाने वाला योगासन है। आजकल यह योगासन फिटनेस ट्रेन्ड बन चुका है, जिसको सिर्फ हॉलीवुड ही नहीं, बल्कि भारतीय सितारे भी किट रहने के लिए अपना रहे हैं।

एक्वा योग क्या है?

यह एक पानी वाला योगासन है, जिसमें व्यक्ति पानी में रहते हुए तरह-तरह के योग आसनों का अभ्यास करता है। अगर आप इसे अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपको कई तरह के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े लाभ मिल सकते हैं।

एक्वा योग का अभ्यास करने से मिलने वाले फायदे

एक्वा योग न केवल शरीर और दिमाग को आराम देने समेत शारीरिक संतुलन में सुधार करने में मदद कर सकता है। यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूती प्रदान करने में भी सहायक है और जोड़ों के दर्द को भी कम कर सकता है। इसके अभ्यास से शरीर की मांसपेशियां भी मजबूत हो सकती हैं। इसके अतिरिक्त, यह योग कार्डियोवैस्कुलर के कार्य में सुधार करने में भी सहायक साबित हो सकता है।

एक्वा योग कैसे करें?

एक्वा योग आमतौर पर एक स्विमिंग पूल की सतह पर बैठकर किया जा सकता है या जब आप किसी योगासन को सीधे खड़े होकर करते हैं तो इसमें आपके शरीर का 50–70 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूब जाता है। योग के दौरान आप अपने पैरों को पानी की सतह पर या अपने सिर, हाथ, छाती, गर्दन और कंधों को मुद्रा के आग पर पानी में रख सकते हैं। इसमें कुछ योगासनों को करने समय सांस रोककर रखना भी शामिल है।

एक्वा योग कैसे करें?

एक्वा योग के दौरान कौनसे योगासन किए जा सकते हैं?

एक्वा योग के दौरान आप किसी भी तरह की परेशानी ना हो। आप पानी में वृक्षासन का अभ्यास करने से जब आप किसी योगासन को करते हैं तो इसमें आपके शरीर का 50–70 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूब जाता है। योग के दौरान आप अपने पैरों को पानी की सतह पर या अपने सिर, हाथ, छाती, गर्दन और कंधों को मुद्रा के आग पर पानी में रख सकते हैं। इसमें कुछ योगासनों को करने समय सांस रोककर रखना भी शामिल है।

एक्वा योग कैसे करें?

एक्वा योग के दौरान आप किसी भी तरह की परेशानी ना हो। आप पानी में वृक्षासन का अभ्यास करने से जब आप किसी योगासन को करते हैं तो इसमें आपके शरीर का 50–70 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूब जाता है। योग के दौरान आप अपने पैरों को पानी की सतह पर या अपने सिर, हाथ, छाती, गर्दन और कंधों को मुद्रा के आग पर पानी में रख सकते हैं। इसमें कुछ योगासनों को करने समय सांस रोककर रखना भी शामिल है।

एक्वा योग कैसे करें?

एक्वा योग के दौरान आप किसी भी तरह की परेशानी ना हो। आप पानी में वृक्षासन का अभ्यास करने से जब आप किसी योगासन को करते हैं तो इसमें आपके शरीर का 50–70 प्रतिशत हिस्सा पानी में डूब जाता है। योग के दौरान आप अपने पैरों को पानी की सतह पर या अपने सिर, हाथ, छाती, गर्दन और कंधों को मुद्रा के आग पर पानी में रख सकते हैं। इसमें कुछ योगासनों को करने समय सांस रोककर रखना भी शामिल है।

## आयुष्मान की एन एक्शन हीरो का ट्रेलर मिथुन चक्रवर्ती और पद्मिनी कोल्हापुरे ने प्यार झुकता नहीं की यादें सेट पर ताजा की



गया है कि कैसे आयुष्मान की फिल्मों के खिलाफ बायकॉट मुहिम चलाई रही है। अब ये तो फिल्म देखने के बाद ही पता चलेगा कि क्यों आयुष्मान अपनी जान बचाने के लिए भागते हुए दिखे हैं। इसमें मलाइका अरोड़ा एक गाने पर परफॉर्म करती हुई नजर आई है। ट्रेलर में अभिनेता जयदीप अहलावत आयुष्मान पर भारी पड़ते हुए दिखे हैं। उनका हरियाणी लोगों का ध्यान खींच रखा है। आयुष्मान ने खुद को एकशन में ढालन की कोशिश की है। इसकी कहानी में काफी ट्रिवस्ट देखने को मिल सकते हैं। इस साल जनवरी में इस फिल्म की शूटिंग शुरू हुई थी। इसका पहला शेड्यूल लंदन में फिल्मायग गया था। अनन्द एवं और भूषण कुमार ने मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूसर किया है। फिल्म का लेखन नीरज यादव और अनिल ने किया है। अनिल इससे पहले ही अनन्द को उनकी फिल्म जीरो और तनु वेद्स मनु रिटर्न में असिस्ट कर चुके हैं। बता दें कि यह अनिल द्वारा किरण की पहली फिल्म है। रिपोर्ट के अनुसार, आयुष्मान की एन एक्शन हीरो में अक्षय कुमार कैमियो की भूमिका में नजर आ सकते हैं। उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग की पूरी कर ली है। एक सूत्र ने बताया, फिल्म का शीर्षक एन एक्शन हीरो है। हिंदी सिनेमा के ऑरिजिनल एक्शन हीरो अक्षय कुमार की उपस्थिति के बिना कोई इस शीर्षक के साथ फिल्म कैसे बना सकता है। अक्षय पहले ही फिल्म में अपने एक महत्वपूर्ण हिस्से की शूटिंग कर चुके हैं। आयुष्मान की पिछली फिल्म डॉक्टर जी 14 अक्टूबर को सिनेमाघरों में आई थी। उनकी यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फॉरेंप साबित हुई। इससे पहले उनकी फिल्म अनेक और चंडीगढ़ करे आशिकी को भी दर्शकों ने नकार दिया था। उनके खाते से डीम गर्ल 2 जुड़ी हुई है। इस फिल्म के लिए उन्होंने फिर राज शांडिल्य और एकता कपूर के साथ हाथ मिलाया है। इसमें उनके साथ अनन्य पांडे दिखाई देंगी।

अभिनेता आयुष्मान खुराना जल्द एन एक्शन हीरो में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म 2 दिसंबर को दर्शकों के बीच आई। इसमें आयुष्मान का अलग अंदाज देखने को मिलेगा। अनिल द्वारा इसका निर्देशन किया है। अब मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर रिलीज कर दिया है। इसमें अभिनेता जयदीप अहलावत आयुष्मान के साथ भिड़ते हुए दिखे हैं। फिल्म के ट्रेलर में मशहूर अभिनेत्री त्रिलोका अरोड़ा की ज़िलक भी दिखी है।

फिल्म का ट्रेलर काफी मजेदार है। इसमें एक्शन, स्पॉर्ट्स, क्राइम और ग्लैमर का तड़का लगाया गया है। आयुष्मान और जयदीप एक-दूसरे का आइना-सामना करते दिखे हैं। इसमें दिखाया



एक साथ आ रहे हैं। जहां दोनों कुछ मजेदार पलों को साझा करते हुए और एक साथ डांस करते हुए दिखाई देंगे। वहीं प्रतियोगियों ने फिल्म के कुछ हिट ट्रैक जैसे प्यार झुकता नहीं गया, जो वर्ष 1985 की एक ब्लॉकबस्टर फिल्म थी। इसमें मिथुन चक्रवर्ती, पद्मिनी कोल्हापुरे, डैनी डेन्जोगांगा, असरानी और बिंदु शामिल हैं। लक्ष्मीकांत-प्यारलाल के गीत और संगीती भी दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुए। यह 1977 में आई पाकिस्तानी फिल्म आइना की रीमेक थी। शो में पद्मिनी मिथुन को सुपरस्टार कहती हैं, आप सुपरस्टार हैं। दूसरी ओर, मिथुन कहते हैं, झूट बोल रही है। पहले दिन से लाइन मार रहा हैं भाव नहीं दिया अभी तक। सारे गा मा पा लिटिल चॉप्स को नीति मोहन, शंकर महादेवन और अनु मलिक जज कर रहे हैं। यह जी टीवी पर प्रसारित होता है।

बालों को रोजाना धोने से उनमें रुखापन आने से लेकर कई समस्याएं आ जाती हैं और सर्दियों के दौरान तो ऐसा करना थोड़ा मुश्किल भी है। ऐसे में ड्र